

वसु सवर्णपूजाकृति सवर्णपूजाकृति ॥ पञ्चवाक्त्रराजन ॥ १० ॥ अथवा दक्षलथमीनपापन
 वषट्कारेण स्वामिनामन ॥ तस्यैवाति ॥ दिव्यगर्भकृत् ॥ अथवा निरुप्य दानव्यं राजनं दद्यात् ॥ ११ ॥ अथवा
 कल कसमं यंजनपापन वषट्कारेण स्वामिनामन ॥ अथवा विष्णो ॥ तस्यैवाति ॥ उरुपापदानं वाक्त्ररा
 जनं ॥ १२ ॥ अथवा नयादासमूर्तं पतनं मरुताग धनकयम् ॥ विष्णु पुरमवर्णं विष्णुपावनं वा
 ॥ अथवा वषट्कारेण ॥ तस्यैवाति ॥ बलिनेवय ॥ स्वानस्यवृषं कृत्वा तपुलकृत्तमकं उदयनसरु कृत्वा लसुन
 दक्षत् ॥ दानमुत्तया ॥ दिव्यगर्भकृत् ॥ पतिहायतं वक्रपाठमिति ॥ संकृतिराजनदातया ॥ १३ ॥ अथवा
 जिकपा ॥ दधिया ॥ नायपा ॥ दूधपा ॥ मद्यपा ॥ मत्स्यपा ॥ मसिपा ॥ पिपरापा ॥ पतननया ॥ हस्तवः ॥ अथवा वषट्कारेण
 कृत्वा ॥ गुरुपापमवर्णं ॥ तस्यैवाति ॥ तीर्थस्नान कलसाञ्जलिं स्नानबलिपदानं नागपूजां दमनपूजां ॥ १४ ॥ अथवा
 पुवन्दनं वक्रवन्दनं ॥ दानदिव्य कर्पटं तापदयं ॥ १५ ॥ अथवा पयातपतनं गयवर्षणं स्वामिमुखा
 ॥ तस्यैवाति ॥ रुमिदानं दिव्यवा ॥ १६ ॥ अथवा विष्णु विष्णुवन्दनं वषट्कारेण मृग्यु ॥ तस्यैवाति ॥ तामपापमवर्णं ॥ १७ ॥
 १ सा गा न स जी ग द स नं ॥ हा नी ॥ क न रु ॥ मृ तु रु ॥ स नि धि दा रु न ॥

अथवा सांनि ॥ हा सु वृ द ॥ त न नि ॥ दान वि य वा क्र न या त नि
 घृतपूजं दिव्यमोक्तिकागर्भं तीर्थैवाति कलणपूजनं ॥ १८ ॥ अथवा तपनं अतिरुमिकयनं दक्षिण स्वा
 मिनामवा वषट्कारेण ॥ गुरुदिव्यदानं पुपातरुमस्नानं गात्रिहामं ॥ १९ ॥ अथवा निरुपाया नदृष्टनं गुरु
 दादिकाया नदृष्टनं मत्रणं अथवा पवास वषट्कारेण ॥ तस्यैवाति ॥ तामपापमवर्णं ॥ २० ॥ अथवा तपनं कलणपूजनं
 दातया ॥ कलसाञ्जनं कृत्वा लवलि राजनं वदय ॥ २१ ॥ अथवा कृत्वा अतिरुलपापनं कलणनामनं
 धनकयम् ॥ मासवर्णयण ॥ तस्यैवाति ॥ तीर्थकलणपूजनं स्नानबलिं यथैवाति ॥ दक्षिण दिव्यदानं
 ॥ २२ ॥ अथवा वषट्कारेण गुरुददकपापनं स्नानपवर्णं गुरुदक्ष्णं दद्याद्वर्षणं ॥ तस्यैवाति ॥ स्वगवर्णं गादा
 नं कुमात्रीराजनं ॥ २३ ॥ अथवा सांनि दानं गुरुपतिमवर्णं ॥ वक्रवर्षणं ॥ तस्यैवाति ॥ जवाकनं बिल
 मर्षं ममि वक्रकनः पलाय ॥ खदिव अपामार्म दददात्र ॥ तीक्ष्णकाय ॥ नवाक्षरीमन्त्रं कृत्वा गुरु
 स्नानं गवा ॥ तस्यैवाति ॥ कलणं दयसाया नवविधिना ॥ बलिं ॥ कृत्वा स्नानं रंगसा ॥ नद्विधिना ॥ मृत्तिका ॥ बलिं दिव्य
 मत्रणदातयापण ॥ दानदिव्य ॥ मांसमहिगवद्व ॥ कालवीति कालमायपसु ॥ उरुपाप कोमात्रीयागं ॥ २४ ॥

गाना विषयश्चाति

१३५
५५॥

द्वयमकृतिपादन वर्षमकन महाभाग तस्य शांति कामपादद्वयपूर्ण मुकटिसदृति दिव्यगर्भ नजग
लेतकयटिमकादितं कीवलाजनदातय ॥२२॥ अकस्मात्स्वामीने पतनेन अष्टमासेन मृश तस्य शांति
तिलपाण तिलकाश्चनम्या ॥२३॥ अकस्माद्वायिष्ठाने दवले कलणपतनन एकवर्षेण स्वामिनागने तस्य
शांति घृतमधुकाणवृण लाहकज वक्रतिल सपुत्रीरु४कट १ ले नाला शुककृयात ॥ अकं घृतपायसं वरा
श्री दानलादिगुण ॥ गालि वर्यं वज्रपाण सवर्ण विद्यमहिता ॥२४॥ महिमादि देवीपूजाकाले वक्रावि
हीनन विवर्णन वर्षमकन स्वामिमुष्ट ४ तस्य शांति पुनरागकुदने यथापहात्रपूजा राजनमसि सहात
या ॥२५॥ अकस्मात् गज वाजि महिष गालागादिमृयतेन स्वामिनागपिकथन वक्रगयेन तस्य शांति
अजदाने प्रतिष्ठासंवर्ण ॥२६॥ महिमुष्ट उद्यान गृहवा अंगनवा पापन स्वामिनाग वर्षद्वयेन तस्य शांति
किशुकृयात दानवर्ष प्रतिष्ठासहिता कलगावने वलिपदाने केशुमान् अपि वटक गणपति अर्चने
वलिने वद्य पंचविण ३८ खालपात १ अजुज १ पताका कृष्णकयटिमक १ वक्रिद्वय २ श्रीसातकाष्ट अष्टसु

२ ५४

दम्वि वेककन सेवाति विरुला विमधु अंगुशुकृयात पवणसुन मुक्तिका उद्वय उदकवलिदायक ॥ त
दककनत तिलादित्रीरु वरुमयकृवा पूर्वलिमुखं तदनकरं दानतामपादद्वय तिलपूवितं तिलपूवितं
दिव्यगर्भ वक्रकयटिनकादितं शांति काष्ठाय य० नादि स्वविधिना सूर्यमूलवनदाने प्रतिष्ठादिवर्ण ॥ २७॥
वविद्य कासपाण विमधुसहित एकवासदतिराजन ॥२८॥ अकस्मात्कुलसाधितन स्वामिनाग व
यनकमण अनिवृद्धितनवनकयं तस्य शांति कुलसुन उत्यागकुवनमवा कुलजागकृवा दिव्यगर्भ
विपात्रने अतिथिसद्धा अष्टकुलताग स्वविधिना पूजितं राजनघृतपायस पूजाने सहितं ॥२९॥ अक
वीजाववापित अन्यवमृजमिनेन नजानेनवा दणमासायनकत्रण महाभाग जीवसंगयश तस्य शांति क
कुदानेवा कृष्णपायहात्र हिंसासहपूजा कीमारीसमयवक्रदय ॥३०॥ काकम स्वांग पादद्वयपाफन
इतितामनर्ण वाहाकवे महाभाग कटिद्वय वाजपीज पीवायी धनकयं विमधु वक्रपातन मासप
यण पृष्ठगुणय उदव मुख मुलाक एकवर्षेण तस्य शांति स्नानसवले तिलिसमयवलिपूजा काकव

२७) मन्त्रे मन्त्रे मन्त्रे मन्त्रे

गणसहितं न कोमारी यकपूजनं ॥७८॥ मन्त्रिमात्रा कृष्ण मन्त्रिक आनीतं न वं धन पा फति वर
 सफन । नानि यथा न कि दिव्यं नाना नाना अथ विनायक हि सा सह पूजा । वनिपदानं मां स
 हित शार्धं ॥७९॥ यस्य पुत्रं देवलं छिद्रु कीटका वरुत वपा फन म्काटि मा शार्धं न वरमि क
 नद्या मिता । नानि पुत्रा नाना दानं अन्न दानं कर्ण दानं सुवर्ण पुतिष्टा देव पूजनं ॥८०॥ सयं न
 ल्याव सयं जीवति पाफन मा सयं वरं नाना मिमवर्ण । नानि सयं देव जायते न कृष्ण मां सयं ॥८१॥
 कि का सयं काय यत म्ना वा वा पा० काय य । दिव्य दानं पीत कर्ण दानं माय पाय ३ ॥ न कृष्ण मां
 सुवर्ण गुरु दक्षिणो सह शार्धं ॥८२॥ एतं कृष्ण दिव्य वरं मृग्युयं वरं ययं । नानि महा वलि
 वरु वृष्टि दानं मृष्टि का उद्वय वलि मा सयं वरं अथ नाना माय ययं । पुवि मृष्टि कन पुत्र यत । य
 वलि सानवाले रत वलि दिव्य लिष्ट दान वृष्टान एतं कृष्ण पुतिष्टा दिव्य शार्धं ॥८३॥ एतं सयं मां
 पाफन अस्ति वा पुत्र कुरुल नानि सयं विधि ॥८४॥ नवनामी अंग सयं अना हित न जीवति वरमि

कं वरुत वरं न कयमा पादल नयति धन माय यति जय पाफन वं धन । पुष्टु न कुरुय । उद्वय माय ना ।
 वरु कुरु ली विद्या गुरु वं जीवा यी सान नाना । मयं वरं कुरुय । कर्ण विद्य स माग म । लिखं न ययं पदल न
 अथु रस्य नानि । नानि मृष्टु य विधान न कुरु य । दान ता माय ययं दिव्य गुरु सुवर्ण मृष्टु विम सदिन
 दृष्टु सदिन वरु नानि लिखं नाना ययं पुतिष्टा सवर्ण विम सदिन शार्धं ॥८५॥ एतं सयं वरं एतं पतन
 न काल पुत्र ययं वरं वरमि काय न धन कयमा नानि उद्वय कुरु ता माय टिका जल ययं वरुत गुरु पु
 तिष्टा दिव्य सत वरु नानि कदिन दान ययं विद्य शार्धं ॥८६॥ एतं सयं पुत्र नग वरं ययं पुतिष्टन वान वा
 दान नाग सयं कय ययं कुरु अथ वा धन कय ययं वरं । नानि कय न दान सत सुवर्ण दक्षिण वलिष्ट ययं
 न काल मां कल मां वरं शार्धं ॥८७॥ का कृष्ण दिव्य नाना ययं वरं विद्य ह अथु वरं विव न वरं कल व
 रं ययं वरं वरं वरं अंग न वरं सयं पाफन वरुत वरं ययं वरं ययं वरं । नानि मृष्टु ययं
 पुष्टु पूर्ण ता मा का स लोह दक्षिण वरु कय ट दान शार्धं ॥८८॥ नदी कुरु ययं पना लि क शार्धं

बापी दीर्घ कृष्ण चतुर्दशी वक्र कृत्रिममापि दृष्टेन । आकाशसुखितामागत मासयुक्त । आनिविधि
 तीर्थगमन कलसयुजा नागयुजा दानपथानि किं द्विवर्षपतिष्ठा ताभ्यां लविटिका द्वादश १२ भाग मास
 साहित ॥ ८८ ॥ वागवादि मानवस्य पापन क्षीयिष्यन् वर्यमेकन । आनिर्घृष्टयुक्त मासयाग कृत्वा मन्त्र
 पूर्ण पतिष्ठा वक्रत राजनतिला नृपुन ताभ्यां लविटिकापयवति कर्णनादित दातव्य ॥ ८९ ॥ गुरु कर्क
 नादिषु दिषु वागन मासस्य फल मृग्यवागवा । आनिदशवर्ष किं सर्वलूनां दीनस्य सा कृयात् दीवा
 यज्ञाजन ॥ ९० ॥ अश्वीन वक्राति नृपुन वर्यमेकन मृग्य तय वाग । आनिदर्थनदाने सदायुक्तन हा
 अंयपतिष्ठा वक्रत वक्रि कायाठग दातव्य ॥ ९१ ॥ गुरु यावा मृग्यस्य पापन सफमासन स्नामिमृग्य
 धाववदनानि सयगुरुमागत तत्फल । आनिशकृयात् कलणयुजा विधिनादान सूर्यलवन द्विव
 ष्यगर्क पतिष्ठा वक्रत ॥ ९२ ॥ यथा गुरु मृग्यपापन कुरु निव जंघादिपापन तदुदय वषाविमृ
 य कलणसंगथाजीवति । आनि महावलि मासहाम कलसयुजा नवशर्णिगति ३० खाल १ मृग्य १

कृष्ण वक्र कर्कट दानद्विवर्ष युत नृपुनवलास वाक्कणदातव्य ताभ्यां राजन राजन ताभ्यां स्वगती
 बलिखत । आवावनन मृगिकाता पुनिशय ऊवसमके १ मृग्य १ सयय १ सर्वलूवति ३ वक्रसथा
 न । आथ्येत् ॥ ९० ॥ यथा गीपागपापन मृग्य वाग तय वर्यमेकापन । आनि निवसमाने मृग्य ३ यथा
 नृपुन वक्राति किं अथ नृपुन वक्राति वक्रत पदकला नमस्कार । दान । आ युत कुरुवयुर्ग तपकृत
 न मृग्यवलास यथागकि द्विवर्षदक्षिण ॥ ९१ ॥ गुरु वक्रयतनन मृग्य विर्याग वर्यमेकन । आनि स्वग
 वर्य । आदाने दशवर्ष किं मासवर्ष दक्षिण । नृपुन वक्राति । आनि वलिपदाने सफदिनापन कर्कट ॥
 ९२ ॥ गुरु नानागवृन अविष्टवतापवर्ण स्नामि मृग्य अगसमागत पंचवर्ष । आनि वलिपदाने गलप
 यावने कुरुवाजपा ० साहितन ॥ ९३ ॥ गुरु वक्रयतन कर्कट कर्कट वलास वर्यद्वयन । आनि महावलि
 । आनि कायायया ० दृष्टावने ॥ ९४ ॥ गुरु नृपुन वक्रयतन वर्यमेकन मृग्य तय धनकयमा विगुरुमा । आ
 नि महावलि गलजाग दानद्विवर्ष कृमि ॥ ९५ ॥ गुरु सुन निवर्तन वक्रयतन वाग । आक वर्यमेकन । आति

२५
१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

१। खि खान खान कू कया रुसुहानि साग आग ध निमति दह थूति
खू र्नाथि रुयि ध या शांति कू द १ गा किन जा थू य धन खिया
आ य भु य नी दा न धा नया वासि दस क व लि न खी वा द यु क
यू गा जा दा उ सम धा न स ग य क ल आ य आ ना य वि ध
स यू गा कू य ध य न धि या उ उ य ध नि न धा न ४॥ धा नि धा न ॥

२५
१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

१। जन्म आदि १ तिल पात्र दान ॥ आ ४ सूर्य विम्ब ता म पात्र दद कति ॥ आ ५ आम
स पूजा ॥ आ १० म त द्या १२ लं पञ्च मृ त अर्घ वि य ॥ आ १६ स द्य सा ॥ आ २० लं ॥ आ २२ ऊ ल
घट तिल पात्र ॥ ॥ व द्ध क उ र्ध्व म ति ग र्ध दान ॥ व ६ व द्ध वि म्ब ॥ व १० की व घट ॥
व १२ लं व घट ॥ ॥ मी न व ज म १ स द्य ध सा ॥ मी ४ गु ठ पात्र ॥ मी १० ग ल ग मृ जा ॥ मी १६
गु ठ पात्र प ल म त लं ॥ मी २० गु ठ धे न ता म्ब पात्र ॥ मी २२ गु ठ धे न वा द नी व त नि
खा कू य प ल न रु ति आ र्था ल स त य म त न दं कू य सि रु न न यृ ष क् धा त त य लं द
रि म् ॥ ॥ व द्ध ज म १ आ म स पूजा ॥ व ३ रुं ष द व पूजा ॥ व १२ ना वा य ग मृ जा ॥ ॥
व द्ध सा ति ज म १ पा ० या य ॥ व ३ रुं ष द व ता पूजा ॥ व ४ लं यि यू का ॥ व ८ द गु लि

श्वनजल
यायाद्या
नजायद
धद्यायम
यात्रयाह
नअयानि
उधायय
ययया
निजाय

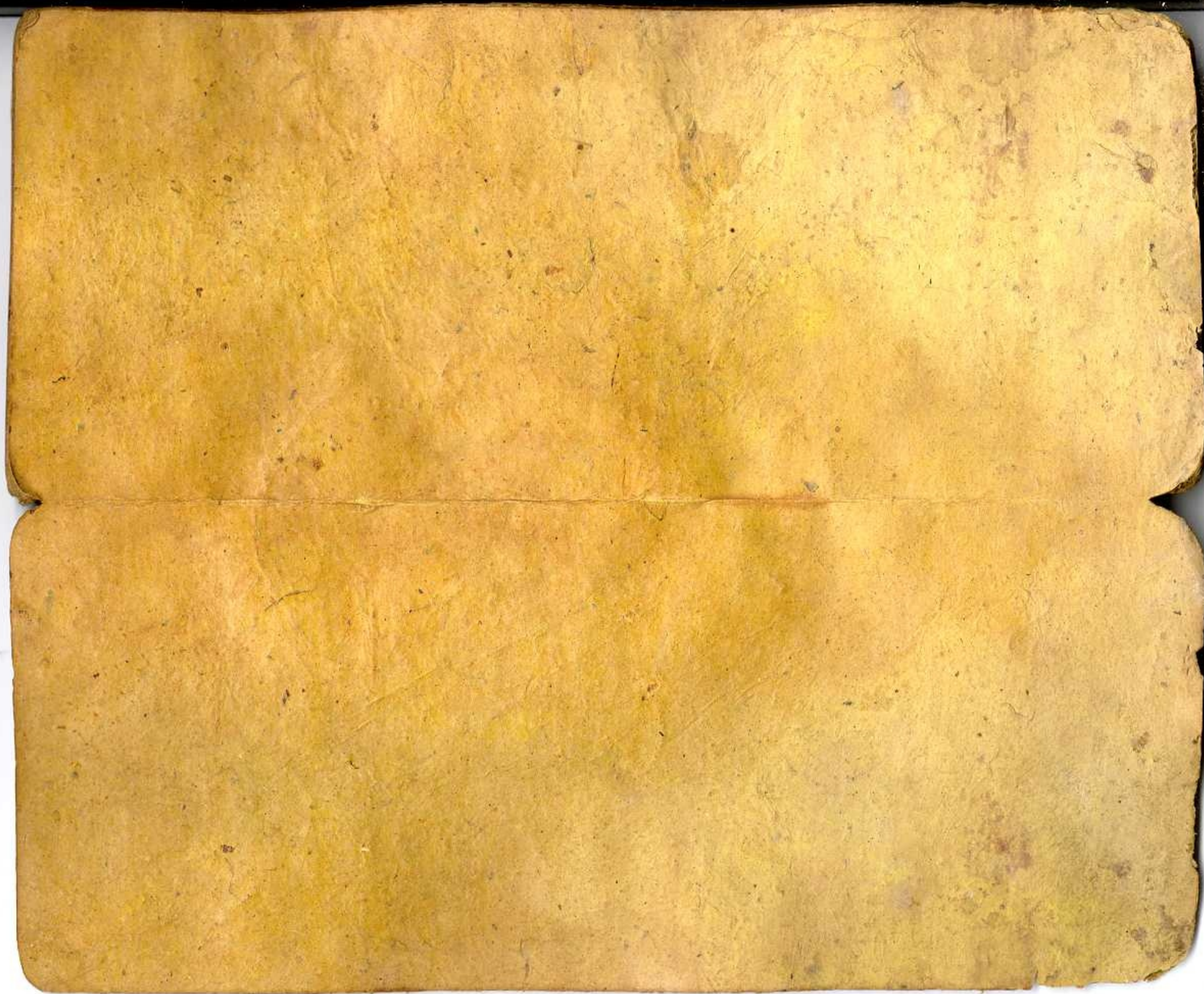
सकृमा पूजा ॥ वृ८ नावायण पूजा ॥ वृ९ विष्णु पा० याय ॥ वृ१२ वृविष्णु मत्त
पा० विय ॥ ॥ वृ१३ कर्म ० सुउदान ॥ वृ१४ यक्ष पूजा ॥ वृ१५ (गोत्री पूजा ॥ वृ१०००
उपूजा ॥ वृ१२ यितिस पूजा हाय २ रवा सिस पूजा ॥ वृ१३ सिस पूजा २ विय ॥ वृ१४ विद्व
धल कसि दान ॥ ॥ वृ१५ निश्चय कर्म १ पा० याय ॥ वृ१६ ऊल पा० लाह जा नील ॥
वृ१७ (गोत्र न ॥ वृ१८ पा० याय ॥ वृ१९ मन्त्र विधि ॥ वृ२० कोमारी दर्शन पूजा ॥ वृ२१ (गो
त्र न ॥ वृ२२ मपूजा ॥ वृ२३ पी० स पूजा ॥ वृ२४ गवलि विय ॥ वृ२५ सुदान ॥ ॥ वृ२६ कर्म १ पा०
याय ॥ वृ२७ ऊल पा० ॥ वृ२८ म्वात ॥ वृ२९ खम्भ ॥ वृ३० मन्त्र न स पूजा ॥ वृ३१ महाका

लपूजा॥ वा १२ कर्लकपूजा कता ४ ॥ ॥ कडुजमं १ धूलिवनस ॥ क ४ कालात ॥
क २ आत्मसपूजा ॥ धानलसपूजा ॥ क ६ मृधालपूजा कर्लसपूजा ॥ क ८ ल
सपूजा १६ यितिसपूजा १६ विय ॥ तता नानि रुवड ॥ सं ६१० हानुपुष्टि २ ॥ ८० पार्ति

१५५
 रथं च मन्त्रा कथा ॥ कृसनकता तल्लिदयकं गयको नहि नै तथ्या
 मनयाय घृणा सिनोसितकं मनदयकं गोसासतयखागान
 रायकं ६० नामैतयमानकलिमानकयकमान। ध्यय
 तिका नाय ६० म ६० न सयने। ध्यदयगुर्मन्त्र ॥
 १ धृतवाहस्वाहा ॥ लिनसदय ॥ धृतसखस्वाहा ॥ मिखादय ॥
 १ धृतगयस्वाहा ॥ खडावकोसदय ॥ धृतसमिधस्वाहा ॥ नदमदय ॥

आर्या याविषा

१३ लूक



१ दिन या मं लुन कृ य रु न १ वा य व मं लु न ॥ अ हु रु रु न ॥
 २ निय ह म मं २ वा न नि मं लु न ॥ अ रु रु रु न ॥
 ३ स्व य रु ल स ३ आ नि य मं लु न ॥ अ हु रु रु रु न ॥
 ४ थ य रु ल स ४ मा रु रु मं लु न ॥ अ रु रु रु रु न ॥

२ नाटु याम् नु नरु ॥

१ कृष्णरुद्रस १ माह न्यमं लुन ॥ ७३ रुद्रन ॥
 १ निरुद्रस २ आभियमं लुन ॥ ७४ रुद्रन ॥
 १ स्रुद्रस ३ वागूनिमं लुन ॥ ७५ रुद्रन ॥
 १ थ्यरुद्रस ४ वायूवमं लुन ॥ ७६ रुद्रन ॥

१ वि. रु. श्य. यूरु. ह. म. यूरा. आरन्त यमं तु लः अ. उरु ॥
 २ रु. रि. ला. मु. वू. उरु. अ. नि. वायु यमं तु लः अ. उरु ॥
 ३ ध. ना. य. प्र. अ. न्न. ब्र. सि. उवा. माह चे मे तु लः अ. उरु ॥
 ४ रा. ज. म. वू. था. षी. न. उरु. वा. नृ. य. म. पुत्रः अ. उरु ॥
 ५ इति नऊप्रया मं तु न रुरुन ॥ अ. उरु अ. उरु विज्ञान रुरुन ॥

॥ वक्रांशुखांशुदत्तिसिखाराम ॥

॥ यद्यद्यदखर्व ॥

संस्कृतपद्याग ॥ १८७

ASHA ARCHIVES

345

संस्कृतपद्याग ॥ १८७ ॥
वक्रांशुखांशुदत्तिसिखाराम ॥

நம, உத. | உத. ௦ | நம ௨௨ | பரே நம | உத. ௦ | நம 9 | உத 28
~~வித. ௧ | நம ௧ | உத ௧~~ | உத. ௧ | நம ௧ || : நம ௧ | நம ௧ |
நம ௧ | நம ௧ | உத. ௧ | நம ௧ | உத. ௧ : நம ௧ | நம ௧ |
நம ௧ | நம ௧, உத. ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ |
நம ௧ | நம ௧ | உத. ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ |
உத. ௧ | நம ௧ | உத. ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ |

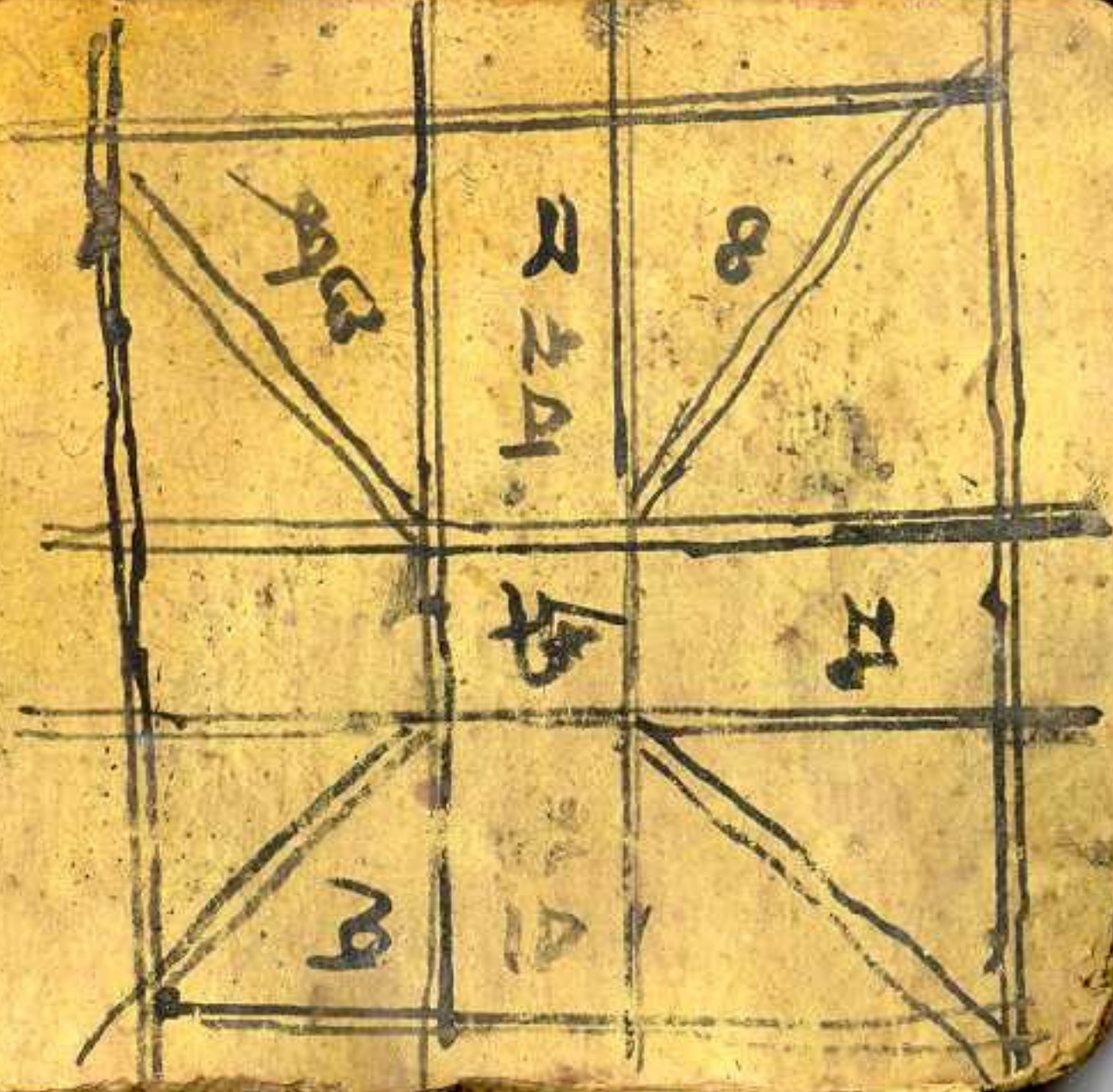
நம ௧ | நம ௧ | உத. ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ |
நம ௧ | நம ௧ | உத. ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ |
நம ௧ | நம ௧ | உத. ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ |
நம ௧ | நம ௧ | உத. ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ |
நம ௧ | நம ௧ | உத. ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ |
நம ௧ | நம ௧ | உத. ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ | நம ௧ |

மதுபதாபயம் | மது. ௭ | மய 8 | பர ௯ | மதுபதாபயம் | ௧௦
| மய ௧௧ | பர 12 | மதுபதாபயம் | 13 | மய 14 | பர 15 | மதுபதாபயம் | 16
மதுபதாபயம் | 17 | மய 18 | பர 19 | மதுபதாபயம் | 20 | மய 21 | பர 22 | மதுபதாபயம் | 23
மதுபதாபயம் | 24 | மய 25 | பர 26 | மதுபதாபயம் | 27 | மய 28 | பர 29 | மதுபதாபயம் | 30
|| மதுபதாபயம் | 31 | மய 32 | பர 33 | மதுபதாபயம் | 34 | மய 35 | பர 36 | மதுபதாபயம் | 37
மதுபதாபயம் | 38 | மய 39 | பர 40 | மதுபதாபயம் | 41 | மய 42 | பர 43 | மதுபதாபயம் | 44

|| மதுபதாபயம் | 45 | மய 46 | பர 47 | மதுபதாபயம் | 48 | மய 49 | பர 50 | மதுபதாபயம் | 51
மதுபதாபயம் | 52 | மய 53 | பர 54 | மதுபதாபயம் | 55 | மய 56 | பர 57 | மதுபதாபயம் | 58
பர 59 | மதுபதாபயம் | 60 || மதுபதாபயம் | 61 | மய 62 | பர 63 | மதுபதாபயம் | 64
|| மதுபதாபயம் | 65 | மய 66 | பர 67 | மதுபதாபயம் | 68 | மய 69 | பர 70 | மதுபதாபயம் | 71
மதுபதாபயம் | 72 | மய 73 | பர 74 | மதுபதாபயம் | 75 | மய 76 | பர 77 | மதுபதாபயம் | 78
மதுபதாபயம் || 79 || மதுபதாபயம் || 80 || மதுபதாபயம் || 81 || மதுபதாபயம் || 82

[illegible][illegible]

மதமதமதமத || மதமதமதமத
 மதமத || மதமத || மதமத || மதமத ||
 மதமத || மதமத || மதமத || மதமத ||
 மதமத || மதமத || மதமத || மதமத ||
 மதமத || மதமத || மதமத || மதமத ||



மதமத || மதமத || மதமத || மதமத ||
 மதமத || மதமத || மதமத || மதமத ||
 மதமத || மதமத || மதமத || மதமத ||
 மதமத || மதமத || மதமத || மதமத ||
 மதமத || மதமத || மதமத || மதமத ||

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णार्पणं कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥

[illegible]